

देश के 112 आकांक्षी ज़िलों में टॉप-5 में बिहार के दो ज़िले

चर्चा में क्यों?

8 फरवरी, 2023 को नीति आयोग ने देश के अल्प वकिसति 112 आकांक्षी ज़िलों के लिये 'चैपियन ऑफ चेंज डेल्टा रैंकिंग' जारी की है, जिसमें कृषि और जल संसाधन के क्षेत्र में देश के पाँच सर्वश्रेष्ठ आकांक्षी ज़िलों में बिहार के दो ज़िले बाँका पहले स्थान और कटहियार दूसरे स्थान पर हैं।

प्रमुख बडि

- उल्लेखनीय है कि नीति आयोग द्वारा आकांक्षी ज़िलों के बीच प्रतस्पर्धा करने के लिये यह रपिर्ट जारी की जाती है।
- ज्ञातव्य है कि वर्ष 2018 में प्रारंभ आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम में बिहार के 13 ज़िले-कटहियार, बेगूसराय, शेखपुरा, अररिया, खगड़िया, पूरणिया, औरंगाबाद, बाँका, गया, जमुई, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और नवादा शामिल थे।
- केंद्र की इस घोषणा से बिहार के इन 13 ज़िलों के प्रखंडों में वशिष सहायता मिलती है। इन ज़िलों में स्वास्थ्य, पोषण, शकिषा, कृषि, जलसंसाधन, वत्तीय स्थिति और आधारभूत अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों को वकिसति करने पर ध्यान दिया जाता है।
- शकिषा क्षेत्र के लिये मुख्य रूप से स्कूल में पढाई और लाइब्रेरी की सुवधि, स्कूलों में आधारभूत संरचना, जिसमें टॉयलेट व पेयजल आदि मुख्य हैं।
- उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने देश में 500 आकांक्षी प्रखंडों की घोषणा की है जिसमें 61 आकांक्षी प्रखंड बिहार के भी हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकार की मदद से वशिष कार्यक्रम चलाएगी। इन प्रखंडों का चयन केंद्र के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत किया गया है। वकिस के कई पैमानों पर पछिड़े इन प्रखंडों को वकिसति प्रखंडों की श्रेणी में लाने का प्रयास किया जाएगा।
- शुरुआती दौर में इन प्रखंडों में स्वास्थ्य और पोषण, शकिषा, कृषि और जल संसाधन, वत्तीय समावेशन और कौशल वकिस जैसे इंडिकेटर पर वशिष ध्यान दिया जाएगा। इन ज़िलों के लिये केंद्र से अतरिकित फंड का भी प्रबंधन किया जाएगा। प्रखंडों की रैंकिंग की जाएगी ताकि उनमें आगे बढ़ने की प्रतस्पर्धा बढ़ सके।
- राज्य के 13 आकांक्षी ज़िलों (एडी) के भी प्रखंडों का चयन इसी कार्यक्रम के तहत किया गया है। ज़िलों में भागलपुर और कैमूर ज़िलों के सर्वाधिक 5-5 करके 10 प्रखंड, बेगूसराय के 4, मुंगेर के 4, जमुई के 4, औरंगाबाद और गया के 4-4 प्रखंड हैं। वहीं भोजपुर, कटहियार और बाँका के तीन-तीन प्रखंडों के नाम शामिल हैं।